Seminar on Sanskrit Studies in 21st century India

महात्मा गांधी शति स्मारक महाविद्यालय गरुआ मकसूदपुर, गाज़ीपुर संस्कृत विभाग के तत्वावधान और अन्य विभागों के सहयोग से महाविद्यालय में छात्रों के लिएएक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया| इस सेमिनार की विषय वस्तु “भारत में 21 वी सदी में संस्कृत भाषा” था|

20 अक्टूबर, 2022 को हिंदी विभाग नेमहात्मागांधीशतिस्मारकमहाविद्यालयगरुआमकसूदपुर, गाज़ीपुरमेंकार्यशालाकाशुभारंभप्राचार्यसुशीलतिवारीकेअध्यक्षीयभाषणसेहुआ। इस कार्यशाला मेंडा मनोकामना जीप्रमुखप्रवक्ताथे।

डा मनोकामना जीने अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि संस्कृत आमजन की भाषा रही है, परन्तु वर्तमान में यह आमजन की भाषा नहीं रही है, परन्तु हमें घबराने की जरूरत नहीं है।

उन्होंने कहा कि वेद संस्कृत में लिखे गए हैं और वर्तमान युग में इसकी बहुत प्रासंगिकता है। वैज्ञानिक वेदों का सहयोग ले रहे हैं। हमें सिर्फ इसमें छुपे ज्ञान को निकालना है। कार्यक्रम के प्रथम मुख्यवक्ता प्रो नीरज शर्मा, संस्कृत विभागाध्यक्ष, ने 21वीं सादी के विद्वानों का संस्कृत को योगदान विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि 21 शताब्दी संस्कृत रचनात्मक योगदान की दृष्टि स्वर्णिमकाल कहा जा सकता है ।

21 वीं शताब्दी की संस्कृत रचनाधर्मिता विविधता से परिपूर्ण है जिसमें एक ओर समकालीन जीवन और परिवेश के संघर्ष, पीड़ा और विषमताओं को विषय बनाया गया है वहीं दूसरी ओर पश्चिमी जगत और पूर्वी जगतके रचना विधान और विषयों को भी संस्कृत ने आत्मसात किया है।

इसकार्यशालाकासमापनश्रीनितेशपांडेद्वारादिएगएधन्यवादज्ञापन केकेसाथहुआ।